पी.एच.डी. प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम – गृह विज्ञान

2020–21

यूनिट–1 (आहार एवं पोषण)

- आहार एवं पोषण– भोजन के कार्य, पोषण का अर्थ एवं परिभाषा, पोषण की स्थितियॉं।
- पोषण तत्व– पोषक तत्वों के स्त्रोत, कार्य दैनिक आवश्यकता, कमी काप्रभाव।
- आहार आयोजन रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले पोषक तत्व एवं संकेत, आहार आयोजन के सिद्वान्त, आहार आयोजन को प्रभावित करने वाले तत्व, सामान्य आहार का उपचारात्मक रूपांतरण।
- आहार सयोज्य– आहार सयोज्य का वर्गीकरण एवं उपयोग।
- सामान्य उपचारात्मक पोषण–बाल्यावस्था, किशोरावस्था, वृद्धावस्था, गर्भावस्था, धात्री अवस्था में आहारीय सिद्धान्त एवं आहार आयोजन। मधुमेह, रक्तचाप, हृदय रोग, पीलिया, अतिसार, कब्ज में आहारीय सिद्धांत एवं आहार आयोजन।

यूनिट–2 (संसाधन प्रबंध)

- गृह प्रबंध– गृह प्रबंध का अर्थ एवं परिभाषा, प्रबंध को निर्धारित करने वाले तत्व, प्रबंध प्रक्रिया, प्रबंध के सिद्धान्त।
- पारिवारिक साधन– पारिवारिक साधनों का अर्थ एवं वर्गीकरण, साधनों का वैकल्पिक उपयोग।
- मुख्य लक्ष्य एवं स्तर– मूल्यों का अर्थ वर्गीकरण, महत्व। लक्ष्यों का अर्थ, परिभाषा, प्रकार। स्तर का अर्थ एवं प्रकार।
- आवास– आवास की आवश्यकता, आदर्श एवं स्मार्ट आवास, गृह नियोजन के सिद्धांत, भवन निर्माण सामग्री, बहुउद्देशीय कक्ष।
- आंतरिक सज्जा– कला के तत्व, नमूने के सिद्धांत, फर्नीचर का अर्थ एवं प्रकार, विभिन्न कमरों में फर्नीचर एवं व्यवस्था, पुष्पसज्जा का महत्व, प्रकार, शैलियॉं, रंग एवं रंग योजनाएं।

- बचत एवं विनियोग– बचत का अर्थ परिभाषा, आवश्यकता, विनियोग का अर्थ एवं साधन।

यूनिट–3 (मानव विकास)

- मानव विकास का अध्ययन– मानव विकास की विभिन्न अवस्थाएं, मानव विकास के विभिन्न पक्ष, मानव विकास को प्रभावित करने वाले तत्व, मानव की असमानताएं।
- वृद्धि तथा विकास– विकास का अर्थ एवं परिभाषा, विकास के निर्धारक तत्व, वृद्धि के विभिन्न पहलू, विकास के सिद्धान्त, वृद्धि एवं विकास को प्रभावित करने वाले कारक।
- वंशानुक्रम एवं वातावरण– वंशानुक्रम का अर्थ, हस्तांतरण, वंशानुक्रम के नियम। वातावरण, बाल विकास पर वंशानुक्रम एवं वातावरण का प्रभाव, वंशानुक्रम एवं वातावरण में पारस्परिक अंतक्रिया।
- शारिरिक विकास– विभिन्न अवस्थाओं में शारिरिक विकास, शारिरिक विकास को प्रभावित करने वाले तत्व।
- मानसिक विकास– अर्थ, विभिन्न अवस्थाऐं प्रभावित करने वाले कारक।
- व्यक्तित्व विकास– अर्थ परिभाषा प्रकार, व्यक्तित्व विकास की विभिन्न अवस्थाएं।
- बाल अपराध– अर्थ परिभाषा, अपराध के कारण, लक्षण दूर करने के उपाय।

यूनिट–4 (प्रसार एवं संचार)

- प्रसार शिक्षा– प्रसार शिक्षा का अर्थ, परिभाषा, उददेश्य, सिद्धांत, प्रसार शिक्षण पद्धतियों का वर्गीकरण, प्रसार कार्यकर्ता के गुण।
- प्रसार शिक्षा की विधियॉ – प्रसार विधियों का अर्थ, प्रसार शिक्षा के चरण, प्रसार के चरण, प्रसार के साधन।
- सामुदायिक विकास कार्यक्रम– सामुदायिक विकास योजना के उददेश्य, क्षेत्र, महत्व, सिद्धान्त, संगठन प्रक्रिया।
- प्रसार एवं संचार – संचार की परिभाषा, प्रमुख तत्व, संचार प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने वाले कारक, संचार प्रक्रिया के मोडल, संचार विधियां, जन संचार माध्यम।
- संचार के बाधक तत्व – शब्दार्थ/भाषागत अवरोध, संगठनात्मक अवरोध, भावात्मक अवरोध, भौतिक अवरोध, व्यक्तिगत अवरोध, अन्य अवरोध।

- दृश्य श्रृव्य सामग्री – दृश्य श्रृव्य सामग्री का अर्थ एवं महत्व, वर्गीकरण, प्रसार एवं संचार में दृश्य श्रृव्य सामग्री की उपयोगिता।

यूनिट–5 (वस्त्र विज्ञान एवं परिधान)

- तंतु – तंतुओं का वर्गीकरण, कपास, लिनन, ऊन, रेशम, नायलॉन एवं रेयॉन का उत्पादन एवं विशेषताएं।
- बुनाई– बुनाई के प्रकार (सादा, रिब, टिव्ल, साटन्, सेटिन, पाइलख जैकर्ड)।
- परिसज्जा– उददेश्य प्रभावित करने वाले तत्व, प्रकार।
- छपाई– छपाई का अर्थ, महत्व और विधियां (ब्लॉक प्रिंटिंग, स्टेन्सिल प्रिंटिंग, स्कीन प्रिंटिंग, रोलर प्रिंटिंग), छपाई से लाभ एवं हानियॉ, छपाई के लिए वस्त्र तैयार करना, वस्तुओं के उत्तरवृर्ती उपचार।
- रंग एवं रंग योजना – प्राथमिक रंग, मुन्सेल का रंग चक्र, रंग योजनाओं के प्रकार, रंगों का मनोवैज्ञानिक एवं भावात्मक प्रभाव।
- भारत के परम्परागत वस्त्र– पटोला, ब्रोकेड, चंदेरी, पैठनी, पोचमपल्ली, महेश्वरी, मलमल, टसर, सांगानेरी, कलमकारी, मधुबनी, बंधेज।
- डिजाइनर वस्त्र।